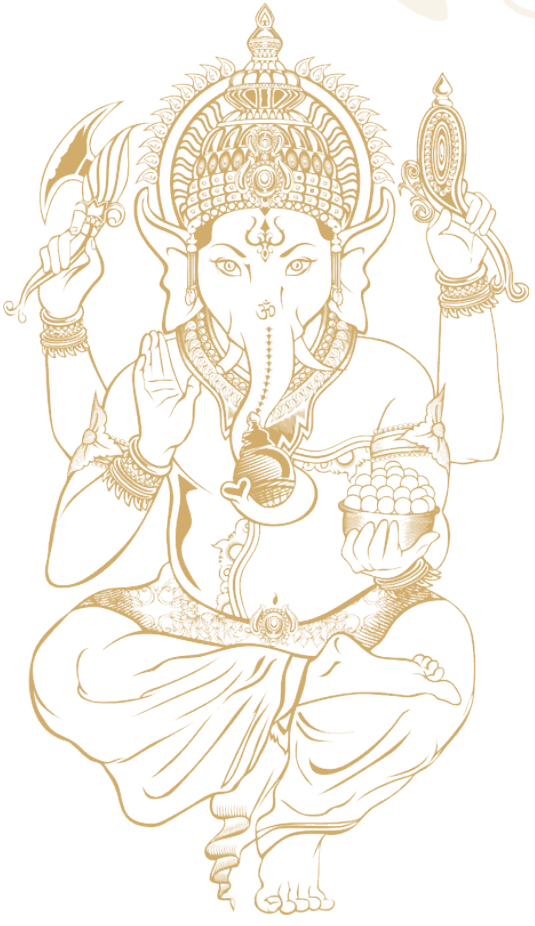

Shriyansh

14 Oct 2020

01:08 AM

Chandigarh Mandir

Model: web-freekundliweb

Order No: 121582602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13-14/10/2020**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:08:00 घंटे**
इष्ट	46:50:31 घटी
स्थान	**Chandigarh Mandir**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:44:00 उत्तर
रेखांश	76:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:45:36 घंटे
वेलान्तर	00:13:50 घंटे
साम्पातिक काल	02:16:53 घंटे
सूर्योदय	06:23:47 घंटे
सूर्यास्त	17:53:00 घंटे
दिनमान	11:29:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:46:44 कन्या
लग्न के अंश	18:09:29 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	18:09:29	303:24:14	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			कन्या	26:46:44	00:59:27	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			सिंह	14:40:50	14:32:33	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल	व		मीन	26:59:10	00:19:08	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			तुला	17:31:26	00:01:41	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			धनु	24:45:14	00:05:39	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	स्वराशि
शुक्र			सिंह	18:45:09	01:11:19	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि			मक	01:22:17	00:01:27	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		वृष	27:51:36	00:07:44	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	27:51:36	00:07:44	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	15:15:35	00:02:18	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	24:34:46	00:01:20	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			धनु	28:21:55	00:00:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	12:24:16	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:33

लग्न-चलित

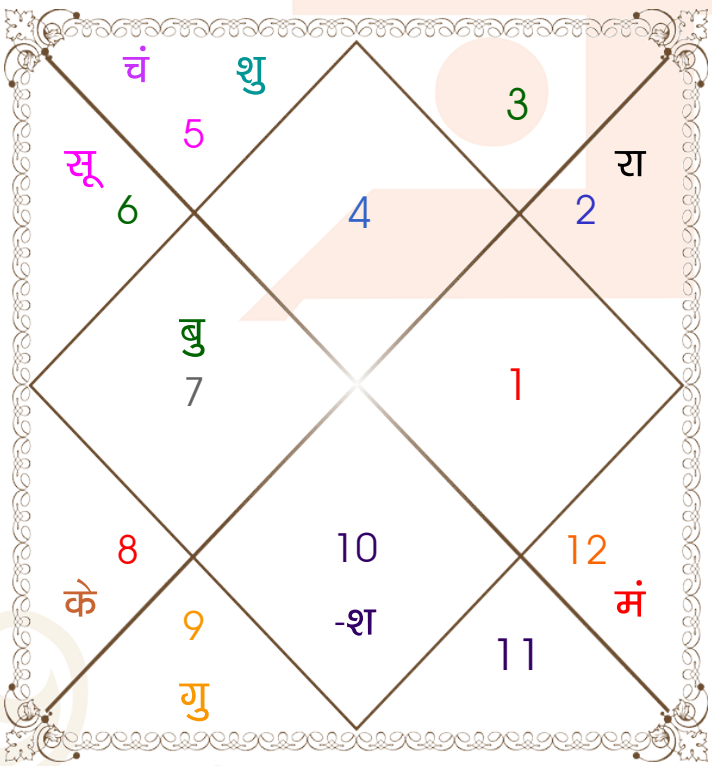

चन्द्र कुंडली

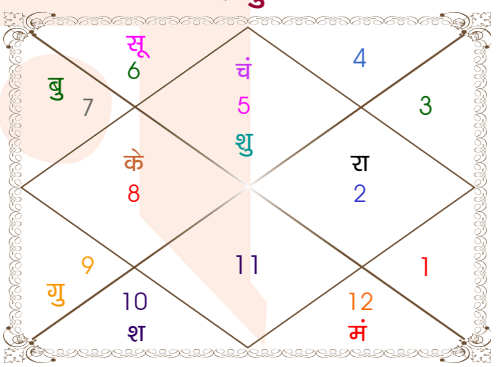

नवमांश कुंडली

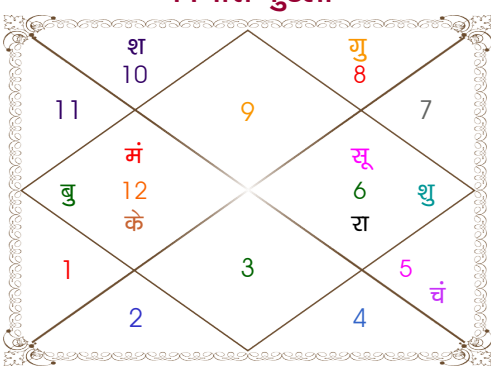

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 11 मास 22 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/10/2020		06/10/2038		06/10/2044		06/10/2054		06/10/2061	
06/10/2038		06/10/2044		06/10/2054		06/10/2061		07/10/2079	
शुक्र	05/02/2022	सूर्य	24/01/2039	चंद्र	06/08/2045	मंगल	05/03/2055	राहु	18/06/2064
सूर्य	05/02/2023	चंद्र	26/07/2039	मंगल	07/03/2046	राहु	22/03/2056	गुरु	12/11/2066
चंद्र	06/10/2024	मंगल	30/11/2039	राहु	06/09/2047	गुरु	26/02/2057	शनि	18/09/2069
मंगल	06/12/2025	राहु	24/10/2040	गुरु	05/01/2049	शनि	07/04/2058	बुध	06/04/2072
राहु	06/12/2028	गुरु	12/08/2041	शनि	07/08/2050	बुध	04/04/2059	केतु	25/04/2073
गुरु	07/08/2031	शनि	25/07/2042	बुध	06/01/2052	केतु	31/08/2059	शुक्र	25/04/2076
शनि	06/10/2034	बुध	01/06/2043	केतु	06/08/2052	शुक्र	30/10/2060	सूर्य	19/03/2077
बुध	06/08/2037	केतु	07/10/2043	शुक्र	07/04/2054	सूर्य	07/03/2061	चंद्र	18/09/2078
केतु	06/10/2038	शुक्र	06/10/2044	सूर्य	06/10/2054	चंद्र	06/10/2061	मंगल	07/10/2079

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/10/2079		07/10/2095		07/10/2114		08/10/2131		07/10/2138	
07/10/2095		07/10/2114		08/10/2131		07/10/2138		00/00/0000	
गुरु	24/11/2081	शनि	09/10/2098	बुध	05/03/2117	केतु	05/03/2132	शुक्र	15/10/2140
शनि	06/06/2084	बुध	20/06/2101	केतु	02/03/2118	शुक्र	05/05/2133		00/00/0000
बुध	12/09/2086	केतु	29/07/2102	शुक्र	31/12/2120	सूर्य	10/09/2133		00/00/0000
केतु	19/08/2087	शुक्र	28/09/2105	सूर्य	07/11/2121	चंद्र	11/04/2134		00/00/0000
शुक्र	19/04/2090	सूर्य	10/09/2106	चंद्र	08/04/2123	मंगल	07/09/2134		00/00/0000
सूर्य	05/02/2091	चंद्र	10/04/2108	मंगल	04/04/2124	राहु	25/09/2135		00/00/0000
चंद्र	06/06/2092	मंगल	20/05/2109	राहु	23/10/2126	गुरु	31/08/2136		00/00/0000
मंगल	13/05/2093	राहु	26/03/2112	गुरु	28/01/2129	शनि	10/10/2137		00/00/0000
राहु	07/10/2095	गुरु	07/10/2114	शनि	08/10/2131	बुध	07/10/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।